

Date
22/04/2020

TEACHING OF MATHEMATICS

D. Ed. Ed - IInd Sem

Topic- तीन उच्चों को ल^० का
ल^० ल^० व ग^० ल^०

Period- IIIrd

अपवर्त्य (गुणज) =

किसी संख्या के गुणज या अपवर्त्य उस संख्या में किसी प्राकृतिक संख्या से गुणा करने पर प्राप्त होते हैं। अतः हम कह सकते हैं कि संख्या से पूर्णतया विभाजित होने वाली संख्याएँ उस संख्या के गुणज या अपवर्त्य कहलाती हैं।

जैसे 4 के अपवर्त्य (गुणज) = 4, 8, 12, 16 --- आदि हैं।

2 के अपवर्त्य = 2, 4, 6, 8 ---

6 के अपवर्त्य = 6, 12, 18, 24 ---

Note * प्रत्येक अपवर्त्य या तो उस संख्या के बराबर होता या उससे बड़ा होता है।

* प्रत्येक संख्या अपने आप का अपवर्त्य होती है।

* अपवर्त्यों को संख्या उन्नीहित होती है।

उभयोन्वृत्त गुणनखण्ड या समापवर्तक =

समापवर्तक (Common Factors)

या उभयोन्वृत्त गुणनखण्ड उस संख्या को कहा जाता है

जो दी गई दो या दो से अधिक संख्या प्रत्येक का गुणनखण्ड या अपवर्तक है।

जैसे 12, 16, तथा 40 के समापवर्तक सात करो।

12 के अपवर्तक = 1, 2, 3, 4, 6, 12

16 के अपवर्तक = 1, 2, 4, 8, 16

40 के अपवर्तक = 1, 2, 4, 5, 8, 10, 20, 40

इनमें समान अपवर्तक हैं = 1, 2, 4

अतः 12, 16, 40 के समापवर्तक 1, 2, 4 हैं।

Qm-1 5 के प्रथम 5 अपवर्तक (गुणज) सात करो।

Qm-2 10, 25, 50 के समापवर्तक सात करो।

Qm-3 7 के प्रथम 4 अपवर्तक (गुणज) सात करो।

Qm
22/04/2020